

बैठ नज़दीक सांवरे के | by Sheetal Pandey

बैठ नज़दीक तू सांवरे के
तार से तार जुड़ने लगेगा
देख नज़रों से नज़रें मिलाके
बात तुझसे वो करने लगेगा

ये है भूखा तेरी भावना का
ये है प्यासा तेरे प्रेम रस का
नंगे पैरों से ये दौड़ा आता
प्रेमियों का इसे ऐसा चस्का
प्रेम जितना तू इससे बढ़ाए
उतना तेरी तरफ ये बढ़ेगा
देख नज़रों से नज़रें मिलाके
बात तुझसे वो करने लगेगा

पास में बैठ कर के प्रभु के
अपने दिल की हकीकत सुनाओ
एक टक तुम छवि को निहारो
कोई प्यारी सी धुन गुनगुनाओ
भाव जागेंगे तेरे हृदय के
प्रेम तेरा उमड़ने लगेगा
देख नज़रों से नज़रें मिलाके
बात तुझसे वो करने लगेगा

होंगी आँखों ही आँखों में बातें
खूब समझोगे इसके इशारे
देगा निर्देश तुझको कन्हैया
बनते जाओगे तुम इसके प्यारे
इसके कहने में जब तुम चलोगे
नाम दुनिया में तेरा चलेगा
देख नज़रों से नज़रें मिलाके
बात तुझसे वो करने लगेगा

श्याम से प्यार जिसने किया है
स्वाद जीवन का उसने लिया है
जिसने नज़दीकियां है बढ़ाई
उसने मस्ती का प्याला पिया है
बिन्नू होंठों पे रख कर के देखो
सारा जीवन महकने लगेगा
देख नज़रों से नज़रें मिलाके
बात तुझसे वो करने लगेगा

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%95-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-by-sheetal-pandey/>